प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

आलू पछेती झुलसा रोग से बचाव

विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित आलू शोध परियोजना, भारतीय मौसम विभाग द्वारा आलू के पछेती झुलसा रोग के पूर्वानुमान हेतु विकसित इंडोब्लाइटिकास्ट मॉडल द्वारा प्राप्त संकेत से पन्तनगर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप की संभावना व्यक्त की जाती है। आलू उत्पादक किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि जिन किसान भाईयों ने फफुंदनाशक का सुरक्षात्मक छिड़काव नहीं किया है। वह पछेती झुलसा रोग से बचाव के लिए मेन्कोजेब 72 प्रतिशत धुलनशील चूर्ण की 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर अतिशीघ्र छिड़काव करें, यदि मौसम ठंडा एवं आसमान में बादल बने रहते हैं, तो यह परिस्थिति रोग के प्रसार हेतु बेहद अनुकूल है। इस स्थिति में 7 से 10 दिन बाद में मैन्कोजेब का पुनः छड़काव करें। झुलसा रोग की तीव्रता एवं प्रसार बढ़ाने की दशा में अथवा उपरोक्त उपचार से पर्याप्त सुरक्षा न मिलने की स्थिति में एमेटाक्ट्रेडिन + डाइमिथेमार्फ अथवा साइमोक्जेनिल + मेन्कोजेब के सम्मिश्रण का 300 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि रोग की तीव्रता बढ़ने पर एमेटाक्ट्रेडिन + डाइमिथेमार्फ अथवा साइमोक्जेनिल + मेन्कोजेब में से किसी एक रसायनों का पुनः छिड़काव करें।

निदेशक संचार